वर्ष : 1, अंक: 95 इंदौर, शुक्रवार 4 अप्रैल 2025
RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

DIGITAL EDITION

इंदौर नगर निगम बजट 2025-26 : महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने किया 8,174 करोड़ रुपए का बजट पेश, विकास को मिलेगी रफ्तार, जनता पर नहीं बढ़ेगा कर

500 करोड़ के बॉन्ड जारी करेगा निगम, इस बजट में 2050 तक इंदौर की सूरत बदलने का प्लान

इंदौर। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इंदौर नगर निगम का बहुप्रतीक्षित बजट 2025-26 पेश किया, जिसमें शहरवासियों को कई राहतें दी गई हैं। 8,174 करोड़ रुपए का बजट पेश किया, इस बजट में न तो कोई नया कर लगाया गया है, न ही किसी कर में वृद्धि की गई। महापौर ने 100 करोड़ रुपये के फर्जी बिल घोटाले पर भी कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि जेल में बंद आरोपियों से नुकसान की भरपाई कराई जाएगी। इस साल नगर निगम खुद का डिजिटल पोर्टल शुरू करेगा, जिससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और तेजी आएगी। साथ ही, जोमाटो की तर्ज पर डिजिटल कचरा कलेक्शन सिस्टम लागू किया जाएगा। इस सिस्टम के तहत लोग मोबाइल ऐप के जरिए अपने घर से कचरा उठवाने के लिए गाड़ी बुक कर सकेंगे।

इंदौर में लगेगी स्वामी विवेकानंद की भव्य प्रतिमा

शहर में स्वामी विवेकानंद की 39 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जो युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। इसके अलावा, नगर निगम अपने नए भवन के निर्माण के लिए 350 करोड़ रुपये का लोन लेगा।

इंदौर बाकी नगरीय निकायों से अलग और आत्मनिर्भर ङ्क कैलाश विजयवर्गीय

बजट सत्र में वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर की आर्थिक आत्मनिर्भरता की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश के अन्य नगरीय निकायों को भोपाल से वित्तीय सहायता लेनी पड़ती है, लेकिन इंदौर अपनी खुद की कमाई से ही विकास कार्य संचालित कर रहा है।

आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम और रिवर फ्रंट का विस्तार, निगम ने पेश की नई योजना

इंदौर। नगर निगम ने शहर के पुराने ड्रेनेज सिस्टम को अपग्रेड करने के लिए 900 किलोमीटर लंबी नई ड्रेनेज लाइनें बिछाने की योजना बनाई है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि अब तक 750 किलोमीटर से अधिक नई ड्रेनेज लाइनें बिछाई जा चुकी हैं, जबकि ट्रीटेड वॉटर के उपयोग के लिए 30 किलोमीटर अतिरिक्त पाइपलाइनें भी पूरी की जा चुकी हैं। शहर में 1100 करोड़ रुपये की लागत से 750 एमएलडी क्षमता वाले दो नए एसटीपी प्लांट भी विकसित किए जाएंगे। अमृत परियोजना और नमामि गंगे योजना के तहत तीन नए एसटीपी और दो नए सीईटीपी प्लांट बनाए जाएंगे जिससे शहर के सीवरेज सिस्टम को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री नगरीय अधोसंरचना योजना के तहत कान्ह-सरस्वती नदी पर नगर निगम चौराहा से अहिल्या आश्रम तक रिवर फ्रंट के निर्माण का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है। शहर के बाहरी इलाकों में स्थित बिजलपुर सहित 29 गांवों में ड्रेनेज सिस्टम या तो मौजूद नहीं है या क्षतिग्रस्त हो चुका है इसलिए वहां 400 किलोमीटर नई ड्रेनेज लाइनें डाली जाएंगी। पुराने शहर में भी 500 किलोमीटर नई ड्रेनेज लाइनें बिछाने की योजना बनाई गई है। महापौर टास्क फोर्स की सफलता को देखते हुए अब ड्रेनेज सिस्टम के लिए अत्याधुनिक मशीनों की खरीदी की जाएगी और रिपेयरिंग व्यवस्था को जियो टैगिंग के माध्यम से आसान बनाया जाएगा। इसके अलावा नगर निगम की वर्कशॉप को भी डिजिटल किया जा रहा है।

सफाई व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए इस साल 100 करोड़ रुपये की लागत से नए इलेक्ट्रिक कचरा संग्रहण वाहन खरीदे जाएंगे। हाईराइज बिल्डिंगों में आग से बचाव के लिए 70 मीटर की टर्न टेबल मशीन लगाई जाएगी। 90 नए पानी के टैंकर खरीदे जाएंगे जबकि 15 साल पुराने डम्पर, लोडर और पोकलेन मशीनों को बदला जाएगा। 20 रोबोट मशीनें और 11 बैकहोल लोडर उद्यान विभाग के लिए खरीदे गए हैं। शहर में अग्निशमन सेवाओं को मजबूत करने के लिए 7 नए फायर स्टेशन भी प्रस्तावित किए गए हैं। ड्रेनेज व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए 15 नए रीसाइक्लिंग और प्रेशर जेटिंग वाहन खरीदे जाएंगे। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पेड़ों के ट्रांसप्लांट के लिए भी नई मशीनें ली जाएंगी। इसके अलावा निगम सीमा में 37 फिश पार्लर का निर्माण मछुआ समृद्धि योजना के तहत किया जाएगा जिससे मछुआ समुदाय को आर्थिक लाभ मिलेगा और शहर में मत्स्य पालन को बढ़ावा मिलेगा।

टैक्स जमा न करने वाले बीएच सीरीज के वाहनों पर होगी सख्ती

इंदौर। भारत सीरीज (बीएच) में रजिस्टर्ड वाहनों को लेकर परिवहन विभाग सख्त कार्रवाई की तैयारी में है। इन वाहनों के खरीदी के समय पूरे टैक्स के बजाय केवल दो साल का टैक्स जमा किया जाता है और फिर हर दो साल में इसे दोबारा भरना होता है, लेकिन दो साल बाद कई वाहन मालिक टैक्स जमा नहीं करते और वाहन का पता भी नहीं चलता। इस स्थिति को देखते हुए अब परिवहन विभाग ऐसे वाहन मालिकों को नोटिस जारी करने और जरूरत पड़ने पर वाहन जब्त करने की योजना बना रहा है। भारत में वर्ष 2022 में सरकारी और निजी क्षेत्र में ट्रांसफर वाली नौकरियों में कार्यरत लोगों की सुविधा के लिए बीएच सीरीज की शुरुआत की गई थी। इसका उद्देश्य यह था कि वाहन मालिक को बार-बार राज्य बदलने पर वाहन का ट्रांसफर न करवाना पड़े और अलग-अलग राज्यों में टैक्स जमा करने की जरूरत न हो। सामान्य श्रेणी के वाहनों को एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थायी रूप से ले जाने पर ट्रांसफर करवाना पड़ता है और नए राज्य में टैक्स भी जमा करना पड़ता है, लेकिन बीएच सीरीज में यह बाध्यता नहीं है। अब बड़ी संख्या में ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जहां वाहन मालिक दो साल का टैक्स भरने के बाद आगे की किस्त जमा नहीं कर रहे हैं, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। इस समस्या को रोकने के लिए परिवहन विभाग ने ऐसे वाहनों की पहचान शुरू कर दी है और टैक्स जमा न करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की तैयारी की जा रही है।

नर्मदा परियोजना के चौथे चरण का कार्य शुरू, जल आपूर्ति होगी बेहतर

इंदौर। शहर में नर्मदा जल आपूर्ति योजना के चौथे चरण का कार्य 2134 करोड़ की लागत से शुरू हो गया है। इस योजना के तहत अमृत परियोजना 2.0 के अंतर्गत 38 नई पानी की टंकियां बनाई जाएंगी और जल वितरण लाइनों का विस्तार किया जाएगा। महापौर ने बजट भाषण में बताया कि हर घर तक नल से जल पहुंचाना प्राथमिकता में शामिल है। इसके साथ ही, प्राचीन घाटों के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण पर भी ध्यान दिया जाएगा।शहर की बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए निगम ने जल आपूर्ति को और मजबूत बनाने की योजना बनाई है। हाल ही में इंदौर में शामिल किए गए 29 गांवों में नर्मदा जल लाइनें बिछाने का कार्य भी शुरू हो चुका है। पश्चिमी क्षेत्र की टंकियों को अधिक क्षमता से भरने के लिए 30 एमएल का सम्पवेल बनाया जा रहा है, जिस पर 17.4 करोड़ की लागत आएगी। इससे पम्पिंग के जरिए टंकियों को भरा जा सकेगा और रहवासियों को पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। सके अलावा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय परिसर चितावद और गोंदवले धाम में भी पानी की टंकियों का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना के लिए 800 से 1000 करोड़ रुपए का ऋण अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम से लिया जाना प्रस्तावित है, जिसके अधिकारियों ने एक साल पहले जलूद से इंदौर तक निरीक्षण भी किया था। बजट में नर्मदा के तीसरे चरण की 363 एमएलडी क्षमता वाली जल आपूर्ति योजना के तीन साल के संचालन-संधारण के टेंडर को मंजूरी देने के साथ-साथ पानी की नई टंकियों के निर्माण को भी स्वीकृति दी गई है।सौर ऊर्जा से स्मार्ट बनेगा शहर, ई-रिक्शा को मुफ्त चार्जिंग सुविधाइंदौर को सौर ऊर्जा से सशक्त बनाने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है।

अब तक 8 हजार से अधिक सोलर संयंत्र लगाए जा चुके हैं, जिससे बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। 21 प्रमुख चौराहों पर हाईमास्ट लाइटें लगाई जाएंगी और 50 करोड़ की लागत से उद्यानों और भवनों में सौर ऊर्जा से बिजली बनाने की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा, 85 उद्यानों में आकर्षक लाइटिंग लगाई जाएगी और 10 करोड़ की लागत से सेंट्रल लाइटिंग की जाएगी। प्रमुख 20 मार्गों पर 498 लाख रुपए की लागत से सेंट्रल लाइटिंग पहले ही लगाई जा चुकी है। स्ट्रीट लाइट फिटिंग्स की केंद्रीय मॉनिटरिंग के लिए विभिन्न वार्डों में सेंट्रल कंट्रोल सिस्टम स्थापित किया जाएगा। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए निगम के चार्जिंग स्टेशनों पर ई-रिक्शा को सालभर मुफ्त चार्जिंग सुविधा दी जाएगी। इसके अलावा, इस साल 150 नई इलेक्ट्रिक बसें भी शहर में दौड़ेंगी, जिससे सार्वजनिक परिवहन को पर्यावरण अनुकूल और अधिक सुविधाजनक बनाया जाएगा।

इंदौर नगर निगम का ई-पोर्टल बंद, टाइम पास करते दिखे राजस्व विभाग के कर्मचारी

इंदौर। वित्तीय वर्ष 2025-26 शुरू होते ही नगर निगम के राजस्व विभाग का ई-पोर्टल बंद हो चुका है। ई-पोर्टल बंद होने से जो लोग नगर निगम के टैक्स का भुगतान करना चाहते हैं वह परेशान हो रहे हैं। अब निगम का यह ई-पोर्टल 10 अप्रैल को दोबारा शुरू होगा। बताया जाता है कि ई-पोर्टल को अपडेट करने के लिए इसे 1 अप्रैल से बंद कर दिया गया है। दूसरी ई-पोर्टल बंद होने से राजस्व विभाग के कर्मचारियों का टाइम पास भी नहीं हो पा रहा है। राजस्व विभाग के कैश काउंटरों के कर्मचारी ग्रुप में बैठकर वही पार्टी करते देखे जा सकते हैं। वैसे भी कैश काउंटरों के कुछ ही कर्मचारी ऐसे हैं जो नियमित कार्य करते हैं अधिकतर काउंटरों पर कर्मचारियों को टाइम पास करते ही देखा जा सकता है। जानकारी अनुसार वित्तीय वर्ष समाप्त होते ही नगर निगम का ई-पोर्टल अपडेट किया जाता है। इसके लिए हर वर्ष 1 अप्रैल से एक सप्ताह तक नगर निगम में टैक्स भरने वालों को परेशानी उठाना पड़ती है। इस दौरान न तो कोई टैक्स जमा होता है और ना ही किसी प्रकार की कोई रसीद ही नगर निगम के केस काउंटर से काटी जाती है। सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों को होती है जो विवाह रजिस्ट्रेशन आदि के लिए फीस जमा करना चाहते हैं। ई-पोर्टल बंद होने पर ऐसे लोगों को एक सप्ताह तक इंतजार करना पड़ता है। हालांकि नगर निगम में जब से सारा डाटा ई-पोर्टल पर शिफ्ट किया गया है तब से मैन्युअल राशि दे नहीं काटी जाती हैं।

6 से अधिक काउंटर लेकिन दो ही रहते हैं चालू

वैसे तो नगर निगम मुख्यालय के राजस्व विभाग में टैक्स जमा करने के लिए 6 से अधिक काउंटर है लेकिन इनमें से वास्तविक रूप में सिर्फ दो ही काउंटर चालू रहते हैं। एक काउंटर पर नकदी जमा होता है और दूसरे काउंटर पर चेक के द्वारा टैक्स जमा किया जाता है। इनके अलावा एक काउंटर से बिल आदि निकाल कर देने के लिए कर्मचारी रहते हैं। अन्य बचे हुए शेष काउंटरों पर कर्मचारी बैठे हुए टाइम पास करते देखे जा सकते हैं। यहां आने वाले लोगों को नियमित रूप से चलने वाले दोनों काउंटरों पर जाने के लिए कहा जाता है।

खंडवा में कुएं की सफाई करने उतरे 8 लोगों की मौत

रंजीत टाइम्स

कुएं के दलदल में फंसे, गैस बनने की वजह से चपेट में आए, गणगौर पर्व के लिए कुएं की सफाई करने उतरे थे, माता रूपी जवारों का विसर्जन इसी कुएं में आज किया जाना था, 3 घंटे चले रेस्क्यू के बाद सभी 8 शव निकाले गए। 4 लाख रुपए प्रत्येक के परिवार को आर्थिक सहायता दी जाएगी जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीईआरएफ सहित अन्य रेस्क्यू में जुटे रहे।

8 के शव निकाले...

- 1. बलिराम आसाराम पटेल 26 साल
- 2. मोहन मंशाराम पटेल 55 साल
- 3. अनिल आत्माराम पटेल 25 साल
- 4. शरण सुखराम पटेल 35 साल
- 5. गजानंद गोपाल पटेल 32 साल
- 6. राकेश हरि पटेल 22 साल
- 7. अजय मोहन पटेल 27 साल
- 8. अर्जुन पिता गोविंद

सभी के शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाए गए

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सौंपा इंदौर नगर निगम का डिजिटल बजट

इंदौर। इंदौर नगर पालिक निगम के वित्तीय वर्ष 2025-26 का डिजिटल बजट महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भेंट किया। यह बजट आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए डिजिटल स्वरूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे पारदर्शिता और कार्यकुशलता को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण सिंह चावड़ा, श्री सुदर्शन गुप्ता और श्री नरेंद्र सलूजा उपस्थित रहे। इसके अलावा, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति भी रही।

बजट प्रस्तुति के दौरान इंदौर के विकास कार्यों और आगामी योजनाओं पर भी चर्चा की गई। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि यह बजट शहर की विकास यात्रा को और गति देगा तथा नागरिकों की सुविधा और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगा।

अवैध शस्त्रों के विरुद्ध थाना खजराना की बड़ी कार्रवाई

रंजीत टाइम्स -राजेश धाकड़

इंदौर। शहर में अवैध गतिविधियों एवं अपराधों पर नियंत्रण के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना खजराना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक अवैध देसी कट्टा और आठ जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

शांति भंग से पहले आरोपियों की गिरफ्तारी

पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह, पुलिस उपायुक्त (झोन 02) श्री अभिनय विश्वकर्मा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (झोन 02) श्री अमरेन्द्र सिंह तथा सहायक पुलिस आयुक्त खजराना श्री कुंदन मंडलोई के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। खजराना थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव के नेतृत्व में गठित टीम ने लगातार अवैध हथियारों के क्रय-विक्रय और इससे जुड़े व्यक्तियों पर नजर रखी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि स्कीम नंबर 134 में दो संदिग्ध व्यक्ति घूम रहे हैं।

तलाशी में देसी कट्टा और कारतूस बरामद

सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों संदिग्धों को रोका। तलाशी के दौरान एक आरोपी की कमर के दाहिने तरफ से 315 बोर का देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए, जबकि दूसरे आरोपी की जींस की जेब से छह जिंदा कारतूस मिले। जब्त अवैध हथियारों और कारतूसों की कुल कीमत लगभग 12,000 रुपये आंकी गई है।

गिरफ्तार आरोपी:

1. मोहम्मद खालिद पिता मोहम्मद साबिर, निवासी 77 राजीव नगर बडला, खजराना, इंदौर।,2. मोहम्मद आबिद पिता मोहम्मद साबिर, निवासी 77 राजीव नगर बड़ला, खजराना, इंदौर। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। उनसे अवैध हथियारों के स्रोत और खरीद-बिक्री से संबंधित अन्य जानकारियां जुटाने के लिए पुलिस रिमांड लिया जा रहा है।

पुलिस की सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में निरीक्षक मनोज सिंह सेंधव, सहायक उपनिरीक्षक गणेश मुजाल्दे, प्रधान आरक्षक पंकज सांवरिया, अजीत यादव, नरेश चौहान, आरक्षक प्रदीप सूर्यवंशी और शुभम सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस प्रशासन शहर में अपराध पर नियंत्रण के लिए इसी तरह की सतर्कता बनाए हुए है।

पीपुल्स ऑल इंडिया एन्टी करप्शन एंड क्राईम प्रिवेंशन सोसायटी के जितेन्द्र सिंह रघुवंशी (जीतू) बने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

ऋषि गोस्वामी शिवपुरी

शिवपुरी-नगर के समाजसेवी व धार्मिक कार्यक्रमों में संलिप्त रहने वाले , भ्रष्टाचार के खिलाफ कई मुद्दों पर आवाज उठाने वाले युवा तरूणाई असेम्बली ऑफ एम.पी. जर्नलिस्ट्स के जिला अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह रघुवंशी (जीतू) को अब एक और नई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदाय करते हुए पीपुल्स ऑल इंडिया एन्टी करप्शन एंड क्राइम प्रिवेंशन सोसायटी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। यह मनोयन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश कुमार भारती के द्वारा किया गया है और आशा व्यक्त की है कि निश्चित ही राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने के बाद जितेन्द्र सिंह रघुवंशी (जीतू) संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संगठन के नियम निर्देशों के अनुरूप कार्य करेंगें और संपूर्ण राष्ट्र में संगठन को गतिशील बनाए रखते हुए सशक्त भूमिका का निर्वाह करेंगें। अपने इस मनोनयन पर पीपुल्स ऑल इंडिया एन्टी करप्शन एंड क्राइम प्रिवेंशन सोसायटी के नव नियुक्त राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह रघुवंशी (जीतू)के द्वारा संगठन को आश्वस्त किया गया है कि दी गई जिम्मेदारी का पूर्ण ईमानदारी के साथ निर्वाह किया जाएगा और भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने की हर सम्भव कोशिश की जाएगी , अपराधों की रोकथाम और गरीब को न्याय मिले इसे लेकर संगठन समय-समय पर अपनी गतिविधियां लगातार जारी रखेगा।

बताना होगा कि अभी कुछ समय पूर्व ही जितेन्द्र सिंह रघुवंशी (जीतू) को ॐ श्री बाबा श्याम सेवा समिति का राष्ट्रीय महासचिव का दायित्व भी सौंपा गया है। नगर के गणमान्य नागरिकों, समाजसेवी, मीडियाकर्मी, जनप्रतिनिधियों सहित नगरवासियों ने जितेन्द्र सिंह रघुवंशी (जीतू) को बधाईयां एवं शुभकामनाएं दी ।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, शुक्रवार 4 अप्रैल 2025
DIGITAL EDITION

महामंडलेश्वर नितिन दास बाबा का भव्य एवं संत समागम संपन्न

रंजीत टाइम्स

इंदौर।अखिल भारतीय पंच बारह भाई डांडिया अखाड़े के महामंडलेश्वर नितिन दास बाबा का आज इंदौर के शिव धाम आश्रम में भव्य समारोह संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर उज्जैन अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष डॉ. रामेश्वर दास, संत समाज एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विधि-विधान से संपन्न हुआ इस धार्मिक आयोजन में अखाड़ा परिषद के वरिष्ठ सदस्य राधे बाबा ने डॉ. रामेश्वर दास की उपस्थिति में महामंडलेश्वर नितिन दास बाबा का विधिवत कराया। पूरे विधि-विधान के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संत महात्मा एवं भक्तगणों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं एवं संत समाज को आश्रम परिसर में महाप्रसादी ग्रहण करवाई गई। इस अवसर पर संत समाज का विशेष सम्मान किया गया तथा भेंट दक्षिणा प्रदान की गई।

संत समागम एवं भव्य शोभायात्रा का आयोजन परम पूज्य

महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 राधे राधे बाबाजी (दिगंबर अखाड़ा) के पावन सान्निध्य में नव नियुक्त महामंडलेश्वर नितिन दास जी महाराज द्वारा माँ अहिल्या की पावन नगरी इंदौर में संत समागम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मालवा, निमाड़ एवं हरिद्वार सहित विभिन्न तीर्थ स्थलों से पधारे संतों का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस आयोजन का सफल संचालन नवनियुक्त महामंडलेश्वर श्री नितिन दास जी महाराज एवं उनकी संस्था 'नित पवित्रम सेवा संस्था' द्वारा किया गया। इस शुभ अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के माननीय मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, शहर के प्रतिष्ठित उद्यमी एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे और उन्होंने महामंडलेश्वर नितिन दास जी को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। सनातन धर्म की रक्षा का संकल्प पूज्य महाराज श्री के सान्निध्य में सैकड़ों युवाओं ने सनातन धर्म की रक्षा एवं प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया। अपने प्रेरणादायक प्रवचन में पूज्य महाराज श्री ने कहा कि मानव जीवन को सफल बनाने के लिए संत सेवा एवं गौ सेवा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि कलियुग में संगठन ही धर्म की रक्षा कर सकता है और संगठन में ही शक्ति निहित है। इस भव्य समारोह के दौरान शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु एवं संत समाज ने भाग लिया। अखाड़े के पवित्र निशान को शोभायात्रा के साथ नगर भ्रमण कराया गया, जिससे संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। इस धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन ने श्रद्धालुओं के मन में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया और संत समाज के प्रति उनकी आस्था को और अधिक प्रगाढ़ किया।

जितेंद्र चांदोलिया बने नगर महामंत्री, कार्यकारिणी घोषित

गोटेगांव बीते दिवस नगर मंडल अध्यक्ष अंजलि दीपक सोनी के द्वारा भाजपा नगर मंडल की कार्यकारिणी घोषित की गई जिसमें गोटेगांव नगर के बजरंग वार्ड के पूर्व पार्षद भाजपा नेता जितेंद्र चांदोलिया को भाजपा संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए उन्हें नगर मंडल महामंत्री पद पर नियुक्त किया गया,उनकी इस नियुक्ति पर उनके समर्थकों में भारी उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। वही कान्हा छिरा एवं अभिषेक सोनी को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंप गई है। जिससे उनके शुभचिंतकों में हर्ष व्याप्त है।

धीमी गति से हो रहा पुल का निर्माण, पिछड़ रहा कार्य

गोटेगांव तहसील के अंतर्गत ग्राम श्रीनगर से उमरिया होते हुए बुढ़ैना बहनी गांव जाने वाले सड़क मार्ग पर दो जगह की नदियों के ऊपर पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। इन दोनों जगह पर कार्य करने वाले ठेकेदार अलग-अलग है। उनके द्वारा पुल का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। इन दोनों जगह पर होने वाले पुल निर्माण में कहीं ठेकेदार का कार्य सुस्त चल रहा है। जिसके कारण निर्मित पाए को जोड़ने वाला हिस्सा तक तैयार नहीं हो पाया है। वहीं दूसरी जगह पर पुल पूरा हो गया है सिर्फ अन्य कार्य शेष रह गया है। जिसको करने के लिए ठेकेदार के सदस्य सक्रिय है।

श्रीनगर से उमरिया गांव के हिस्से में दतला पुल के ऊपर बनने वाले पुल का कार्य बहुत ही धीमी गति से संचालित हो रहा है। जिसके कारण अभी तक पुल के पायों को जोड़ने वाले हिस्से तैयार नहीं हो पाए है, लगता है कि इस साल बारिश में यहां के लोगों को एक बार फिर दिक्कत का सामना करना पड़ेगा। वहीं उमरिया से बुढ़ैना गांव के बीच मौजूद नदी पर बनने वाले पुल का कार्य चुस्त होने के कारण इस पुल के ऊपरी कार्य लगभग पूरा हो चुका है। अभी रोड को जोड़ने वाले हिस्से का कार्य के साथ पुल के ऊपरी हिस्से का कार्य चल रहा है। यहां के लोगों को बारिश में जो दिक्कत हुई थी वह इस साल नहीं होगी क्योंकि पानी निकलने वाले हिस्से में पुल का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। विभाग मंद गति से चल रहे दतला पुल के कार्य को गति प्रदान करने की दिशा में कदम उठाए ताकि बारिश के पूर्व पाए को जोडने वाले हिस्से का कार्य पूरा हो सके इन दोनो जगह पर पुल का निर्माण कार्य एक साथ प्रारभ हुआ था

शिक्षक सुरेश देव पांडे का भव्य सेवानिवृत्ति समारोह सम्पन्न

धीरज कांत मिश्रा के भजनों ने बनाया समारोह को यादगार

जगदीश पाल

खनियाधाना !शिवपुरी। 39 वर्षों की शासकीय सेवा पूर्ण करने के उपरांत शिक्षक श्री सुरेश देव पांडे मार्च 2025 में सेवा निवृत्त हुए। इस अवसर पर सनराइज एजुकेशन एकेडमी में एक भव्य सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक धीरज कांत मिश्रा द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। समारोह में श्री पांडे जी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती ममता पांडे का भव्य स्वागत मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ शिवपुरी के प्राधिकारियों द्वारा किया गया।

इस आयोजन में क्षेत्रीय अधिकारी, कर्मचारी, वरिष्ठ नागरिक, समाजसेवी, परिवारजन, रिश्तेदार एवं स्नेही मित्रों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कर शिक्षक श्री पांडे जी को माल्यार्पण कर, शाल व श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। सेवानिवृत्त एसोसिएशन खनियाधाना की ओर से रामगोपाल स्वर्णकार सुरेश चंद्रसाव जय कुमार जैन आदि ने श्री देव पांडे का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण विश्व प्रसिद्ध गायक धीरज कांत मिश्रा द्वारा प्रस्तुत भजन एवं ग़ज़ल रहे, जिनका उपस्थित जनसमूह ने भरपूर आनंद उठाया। मित्रों एवं परिवार जनों की मांग पर विशेष भजन प्रस्तुत किए गए, जिससे संगीतमय संध्या अत्यंत मनोरंजक रही। इस अवसर पर स्वरुचि भोज का आयोजन भी किया गया, जिसमें आमंत्रित अतिथियों ने भजन एवं ग़ज़लों का आनंद लेते हुए स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

इस समारोह में विशेष रूप से सुरेश दुबे, प्रांतीय संयोजक स्वदेशी जागरण मंच, जनपद उपाध्यक्ष संजय शर्मा, नायब तहसीलदार रामनरेश आर्य, बीआरसी संजय भदौरिया, शिक्षाविद हरिराम गुप्ता संकुल प्राचार्य राम गोपाल शर्मा, अनिल यादव, मॉडल प्राचार्य टेकचंद जैन सहित सेवानिवृत्त कर्मचारी इष्ट मित्र,परिवारजन, शिक्षा विभाग से जुड़े पिछोर खनियाधाना एवं बामोर कला के शिक्षक गण एवं कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहे। शिक्षक सुरेश देव पांडे की विदाई को यादगार बनाने के लिए इस भव्य आयोजन में सभी ने अपनी सहभागिता निभाई और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

आयोजनः हर साल की भाती इस साल भी रामनवमी पर विशाल भंडारे का किया गया आयोजन

ऋषि गोस्वामी

शनिवार को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी के अवसर पर शिवपुरी शहर के अंतर्गत गुरुद्वारा चौक पर राकेश गर्ग टिल्लू भैया के द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं पूड़ी सब्जी और हलवा का प्रसाद का आनन्द लेंगे। जिसमें सुबह 9 बजे से 10 बजे तक कन्या पूजन होगा और वही देवी मां श्री राम जी की पूजा से शुरू की जाएगी भंडारा 10 बजे से शुरू होगा जो की प्रभु की इच्छा तक अनवरत रूप से चलेगा। संयोजक राकेश गर्ग टिल्लू भैया ने बताया पिछले कई वर्षों से लगातार रामनवमी वाले दिन भंडारे का आयोजन करवाते आ रहे है। जिसमें व्यापारी इकट्ठा होकर प्रसाद बांटते हैं। इसी दौरान राकेश गर्ग टिल्लू भैया , राजेश मनीष अग्रवाल , संजय अग्रवाल, सुदर्शन प्रधान, रामेश्वर गुप्ता सहित महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

नगर मंडल की कामकाजी बैठक सम्पन्न

हाटपिपल्या। नगर मंडल की कामकाजी बैठक सम्पन्न हुई बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव खंडेलवाल ने मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कहा की भाजपा की कामकाजी बैठक कार्यकर्ताओं की बैठक है बैठक में भाजपा संगठन के कामकाज को लेकर भाजपा के कार्यकर्ताओं को जो भी जिम्मेदारी दी जाती है कार्यकर्ता उस जिम्मेदारी को बुथ स्तर तक ले जा कर संगठन का कार्य करें तो निश्चित हम हमारे भाजपा संगठन के कामकाज को सफल करेंगे।

बैठक में उन्होंने 6 अप्रैल भाजपा स्थापना दिवस 14 अप्रैल अम्बेडकर जयंती मनाने के आयोजन सक्रिय सदस्यता सम्मेलन आयोजन वह घर चले बस्ती चले आयोजन की जानकारी दी। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सैधव ने की विशेष अतिथि के रूप में महामंत्री मनीष सोलंकी ने भाजपा संगठन के कामकाज की जानकारी दी। आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में मार्केटिंग अध्यक्ष महेन्द्र पाल सिंह सैधव पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना थे । आयोजन का संचालन बापूलाल धौसरिया ने व स्वागत भाषण भाजपा मिडिया प्रभारी रमेश संदूकलिया ने व आभार मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सैधव ने माना । आयोजन में मुख्य रूप से कल्याण पाराशर भोलाराम पाटीदार अजय जोशी विनोद जोशी गौरव मेश्रा राजू पठान लक्ष्मण बरेडिया अर्जुन सैधव सतीश मालवीय कमल खरसौदिया चेतन सैधव अभिमन्यु सैधव राजेंद्र चावड़ा राजेंद्र सैधव गजराज सैधव धर्मेंद टप्पा जहमत सैधव पंकज दरबार समेत अनेक कार्यकर्ता बैठक में मौजूद थे।

निर्माणाधीन विकास कार्य गुणवत्तापूर्ण रूप से समय पर पूर्ण हो : प्रभारी मंत्री श्री पटेल

संदीप वाईकर

बैतूल प्रभारी मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा है कि सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी सौभाग्यशाली है कि उन्हें जनसेवा का पुनीत कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। जनसामान्य को सुविधाओं का ध्यान रखने, उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने और उनके जीवन में खुशहाली लाने के लिए पूरी तत्परता और मनोयोग से काम करें। यह बात लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में समस्त विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में कहीं।

बैठक में विधायक आमला डॉ.योगेश पंडाग्रे, विधायक मुलताई श्री चंद्रशेखर देशमुख, विधायक घोड़ाडोंगरी श्रीमती गंगाबाई उईके, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पवार, श्री सुधाकर पवार सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक श्री निश्चल झारिया, सीईओ जिला पंचायत श्री अक्षत जैन, डीएफओ श्री नवनीत गर्ग सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

उपार्जन केंद्रों पर व्यवस्थाएं सुदृढ़ रहें, निर्धारित मानकों के अनुरूप खरीदी की जाएं

प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कृषि और खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम अंतर्गत रबी उपार्जन की समीक्षा कर उपार्जन सम्बन्धी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए छांव, पेयजल आदि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं रहें। निर्धारित मानकों के अनुरूप खरीदी की जाएं। उन्होंने खाद वितरण की समीक्षा कर कहा कि किसानों को संतुलित उर्वरक एनपीके के गुणों की जानकारी देते हुए इसके उपयोग के लिए प्रेरित किया जाएं। नरवाई को जलाने के बजाए उसके

उचित प्रबंधन के लिए भी किसानों को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि राशन का सुव्यवस्थित ढंग से वितरण कराएं। कोई भी पात्र राशन वितरण के लाभ से वंचित न रहें।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में ही हितलाभ वितरण किया जाएं- शिक्षा विभाग अंतर्गत साइकिल वितरण, छात्रवृत्ति वितरण, सांदीपनि स्कूलों के निर्माण कार्य आदि कार्यों की समीक्षा कर प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में ही छात्रों को हितलाभ वितरित कराएं। सभी जिला अधिकारी भी इन निर्देशों का गंभीरता से पालन करें। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा समस्त छात्रवृति योजनाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा रहा हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी पात्र छात्र छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित न रहें।

शासकीय स्कूल सर्वश्रेष्ठ हैं- प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि समस्त स्वास्थ, स्कूल सहित हमारी समस्त शासकीय संस्थाएं सर्वश्रेष्ठ हैं। हमारे शासकीय स्कूल कमजोर विद्यार्थी को भी विशेष ध्यान देकर उनका उज्जवल भविष्य गढ़ रहे हैं। उन्होंने जिले में पांचवीं और आठवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम में अच्छा प्रदर्शन करने पर जिला शिक्षा केन्द्र के प्रयासों की सराहना की। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत छात्रावासों के संचालन की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी जनजातीय छात्रावासों में व्यवस्थाएं अच्छी रहे। रोस्टर बनाकर स्थानीय महिला जनप्रतिनिधियों से कन्या छात्रावासों का निरीक्षण भी कराएं।

धरती आबा योजना का प्रभावी क्रियान्वयन कराएं- प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि धरती आबा योजना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का महत्वाकांक्षी अभियान हैं। इसके लिए जिले में 400 करोड़ से अधिक के प्रस्ताव बनाएं गए हैं। सभी जनप्रतिनिधि और अधिकारी अपने क्षेत्र में धरती आबा योजना का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन करें। उन्होंने छात्रवृति योजना में आधार अपडेशन संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए

जनप्रतिनिधि आंगनवाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण करें- महिला एवं बाल विकास की समीक्षा कर प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि कोई भी आंगनवाड़ी भवन जर्जर भवन में संचालित न हो। स्थानीय जनप्रतिनिधि भी अपने क्षेत्र की आंगनवाड़ियों का सतत औचक निरीक्षण करते रहे। आगनवाड़ी केंद्रों का सुचारू रूप से संचालन हो, इसका विशेष ध्यान रखें।

पेयजल संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही की जाएं- प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और जल निगम की समीक्षा कर नल योजना के कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने शेष नल जल योजनाओं का कार्य भी गुणवत्तापूर्ण रूप से शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नल योजना और पेयजल संबंधी शिकायतों पर संबंधित ठेकेदारों पर भी त्वरित कार्यवाही की जाएं। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय पर कार्य पूर्ण नहीं करने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएं।

सामूहिक विवाह का भव्य आयोजन किया जाएं- प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सामाजिक न्याय विभाग द्वारा आगामी सामूहिक विवाह योजना के कार्यक्रम का भव्य और प्रभावी ढंग से आयोजन किया जाएं। सभी जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर उन्हें सामूहिक विवाह कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाए। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित पीएम आवास योजना, कौशल उन्नयन एवं रोजगार, मनरेगा इत्यादि योजनाओं की समीक्षा की और पीएम आवास सर्वे का व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश। उन्होंने एमपीईबी को चिल्लूर ग्रिड से बिजली आपूर्ति समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खराब ट्रांसफार्मर शीघ्र बदले जाएं। उन्होंने आमला के सलाईढाना में भी अनियमितता संबंधी शिकायत कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने पूरे आत्म विश्वास के साथ करें कर्मः प्रभारी मंत्री श्री पटेल

संदीप वाईकर

बैतूल पीएमश्री महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को "स्कूल चले हम अभियान"के तहत भविष्य से भेंट और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, मुलताई विधायक श्री चंद्रशेखर देशमुख, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, बैतूल कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, जिला पंचायत सीईओ श्री अक्षत जैन, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.अनिल सिंह कुशवाह मौजूद रहे। सर्वप्रथम मां सरस्वती जी के छायाचित्र

समक्ष दीप प्रज्वलित, सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत के माध्यम से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने जनजातीय सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी। इस दौरान मुख्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को तिलक लगाकर उन्हें पाठ्य पुस्तकें भेंट की। कार्यक्रम के पूर्व प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने नीट और जेईई के बच्चों से चर्चा की और उनका उत्साह वर्धन किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि काक चेष्टा, बको ध्यानं, स्वान निद्रा तथैव च अल्पहारी, गृहत्यागी ये आदर्श विद्यार्थी के पांच लक्षण हैं। उन्होंने ये गुण धारण कर अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित किया। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने विद्यार्थियों से कहा कि हम जिस लक्ष्य को निर्धारित किया है उसे पाने के लिए एकाग्रचित होकर पूरे आत्मविश्वास के साथ कर्म करें। आप निश्चित ही सफल होंगें।

प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने की छात्राओं को नगद राशि देने की घोषणा- कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाषण और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति देने वाली छात्राओं को 500-500 रुपए की नगद राशि दिए जाने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने कक्षा दसवीं में 85 प्रतिशत लाकर लैपटॉप और स्कूटी प्राप्त करने वाली छात्रा सृष्टि साहू को भी सम्मानित किया।

आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने भविष्य से भेंट कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को शिक्षा अर्जित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बगैर जीवन अधूरा है। जीवन के निर्माण में शिक्षा का महत्वपूर्ण संबंध होता है। सभी समाज में मान-सम्मान, पद पाना चाहते है, जो शिक्षा के बिना अधूरे हैं। विधायक डॉ.पंडाग्रे ने विद्यार्थियों से कहा कि आपकी जिस क्षेत्र में रुचि हो वह कार्य करें। सभी विद्यार्थी लक्ष्य निर्धारित करें और मन लगाकर पढ़ाई करें।

दूध पीने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं, यह बात तो हम सब जानते हैं। पर क्या आपको पता है रोजाना एक गिलास दूध पीने से आप अपना कई किलो वजन भी कम कर सकते हैं। जी हां आइए जानते हैं कैसे दूध का सेवन करने से व्यक्ति घटा सकता है अपना कई किलो वजन और डाइट में इसे शामिल करने से व्यक्ति को होते हैं क्या-क्या फायदे।

वजन घटाने में मदद कर सकता है एक गिलास दूध

दूध में प्रोसेन, एल्बिनिन और ग्लोबुलिन जैसे प्रोटीन प्रचूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो व्यक्ति के हंगर हार्मोन को रेगुलेट करने का काम करते हैं। दूध का सेवन करने से पेट जल्दी तृप्त हो जाता है। इतना ही नहीं दूध भूख बढ़ाने वाले हार्मोन घ्रेलनि के स्तर को कम करते हुए, भूख कम करने वाले हार्मोन जैसे जीएलपी -1, पीवाईवाई और सीसीके के स्तर को बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति कम कैलोरी का सेवन करता है और उसे अपना वजन कम करने में सहायता मिलती है। न्यूट्रिशनिस्ट और वैलनेस एक्सपर्ट के अनुसार सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध पीने से नींद अच्छी आती है। दूध में ट्रिप्टोफैन, मैग्नीशियम और मेलाटोनिन जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो नींद की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं। ये सभी पोषक तत्व मेलाटोनिन के उत्पादन को बढ़ाकर नसों और मांसपेशियों को आराम पहुंचाने का काम करते हैं। चूंकि दूध प्रोटीन से भरपूर होता है, इसलिए यह वजन घटाने और मांसपेशियों के निर्माण में भी बेहद सहायक है। दूध जैसे प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ चयापचय में सुधार करके व्यक्ति को लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होने देते। जिसकी वजह से कैलोरी की मात्रा कम हो जाती है और व्यक्ति को वजन कम करने में भी मदद मिलती है। दूध पीने के फायदे -

वजन कम करने में मददगार

दूध में मौजूद कैल्शियम न सिर्फ हड्डियों और दांतों के निर्माण में मदद करता है बल्कि यह वजन कम करने में भी मदद कर सकता है। सेहत पर हुए कुछ अध्ययनों के अनुसार, कैल्शियम और विटामिन डी शरीर का चयापचय बढ़ाकर कैलोरी जलाने में मदद करती है। इसके अलावा दूध में मौजूद संयुग्मित लिनोलेनिक एसिड फेट को बर्न करने में भी मददगार होते हैं।

एनर्जी बढ़ाने में कारगर

दूध में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन उपलब्ध होता है। यही वजह है कि रोजाना इसे डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह दी जाती है। दिन की शुरुआत एक गिलास गर्म दूध से करने से शरीर दिनभर ऊर्जावान बना रहता है। इसके साथ ही ये मांसपेशियों के विकास के लिए भी बहुत जरूरी है।

कब्ज की समस्या

अगर आपको कब्ज की समस्या है तो गर्म दूध पीना आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। ये पाचन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जिन्हें कब्ज की समस्या है वो गर्म दूध को दवा के तौर पर अपना सकते हैं।

अनिंद्रा की समस्या

रात में दूध पीने का ये सबसे बड़ा फायदा है। कई ऐसे अध्ययन सामने आए हैं जिनके अनुसार, रात को सोने से पहले हल्का गर्म दूध पीने से नींद अच्छी और भरपूर आती है।

ब्लड प्रेशर

दूध पीने के फायदे में रक्तचाप को नियंत्रित करना भी शामिल है। जी हां, लो-फैट मिल्क का सेवन करने से हाइपरटेंशन यानी उच्च रक्तचाप को नियंत्रण में रखा जा सकता है।

पसीने के चलते पैरों में होता है इन्फेक्शन

गर्मियों के मौसम में अक्सर मोजे पहनने के बाद उन्हें उतारते ही बदबू का अहसास होता है। ऐसा पैरों से निकलने वाले पसीने के चलते ही होता है। इसके अतिरिक्त पसीने की वजह से कई लोगों के तलवों अंगुलियों के निचले हिस्से से खाल उतरने लगती है या खाल नम हो जाती है, यह एक प्रकार का संक्रमण है जिसे एथलीट फुट कहा जाता है। लेकिन इस इन्फेक्शन में पैर एथलीट के पैरों की तरह मजबूत नहीं होते, बल्कि सड़ने लगते हैं और ऐसा पैरों से निकलने वाले पसीने के चलते ही होता है। यह एक तरह का दाद है जो पैर की उंगलियों से शुरू होकर पूरे शरीर में फैल सकता है। इस संक्रमण में पैर और तलवे की त्वचा सड़ने लगती है। पसीने में तर मोजे और जूते को पहनने से गर्मियों में पैरों में दाद की समस्या भी काफी बढ़ जाती है। जूते पहनने के बाद पैरों से लगातार पसीना आता है। इसी पसीने में बैक्टीरिया पनपते हैं। पैरों से निकली डेड स्किन के साथ मिलकर ये बैक्टीरिया दुर्गंध पैदा करते हैं। अगर किसी के पैरों से बहुत दुर्गंध आ रही हो तो इसका मतलब है कि उसके पैरों में बड़ी संख्या में बैक्टीरिया फैल चुका है।

पैर शरीर के उन अंगों में से एक है, जहां सबसे ज्यादा पसीना आता है। ऐसे में लोग जूते के साथ मोजे पहनते हैं। मोजे को धोने से पसीना भी धुल जाता है और पैरों में बैक्टीरिया और फंगस नहीं फैलता। लेकिन यदि कोई एक ही मोजे को बार-बार पहने या बिना मोजे के जूता पहने तो जूते में पसीना जमा होने लगता है। जिसके चलते बैक्टीरिया और फंगस बढ़ने लगते हैं। इस इन्फेक्शन की वजह से ये फंगस पैरों में दाद-खाज की वजह बन जाते हैं। इसके अलावा कभी भी एक ही मोजा बार-बार बिना धुले न पहनें। मोजे को धुलने के बाद भी अच्छे से डिसइंफेक्टेड करना जरूरी है। धोते हुए ध्यान रखें कि मोजे से डिटर्जेंट अच्छी तरह से निकल जाए नहीं तो ये रैशेज और जलन का कारण हो सकता है। मोजे पहनते हुए ख्याल रखें कि वह पूरी तरह से सूखें हों और उनमें थोड़ी भी नमी न हो। त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि पसीने की नमी कई तरह के इन्फेक्शन का कारण बन रही है। ऐसे में जरूरी है कि समय-समय पर तलवों तक खुली हवा पहुंचे और वह सूखे रहें। इसके लिए कोशिश करनी चाहिए कि सप्ताह में कम से कम एक दिन जूते-मोजे की जगह सैंडल या चप्पल पहन कर बाहर निकलें और यदि घर पर हों तो स्लीपर पहनने की कोशिश करें। टाइट जुराब ब्लड सर्कुलेशन को धीमा कर देते हैं। इसके अलावा टाइट मोजे बॉडी हीट को भी बाहर नहीं आने देते, जिससे ओवरहीटिंग की समस्या हो सकती है। पैरों को भी ब्रीथ करने की जरूरत होती है। इसलिए पैरों को समय-समय पर खुले रखना और लूज जुराब पहनना जरूरी है। अपने पैरों के साइज से थोड़े बड़े और कॉटन के मोजे पहनें। मोजे बस इतने टाइट होने चाहिए, जिससे स्किन पर निशान न पड़ें। अगर मोजे से स्किन पर निशान पड़ता है तो इसका मतलब है कि आपको इससे बड़े साइज के मोजे लेने की जरूरत है।

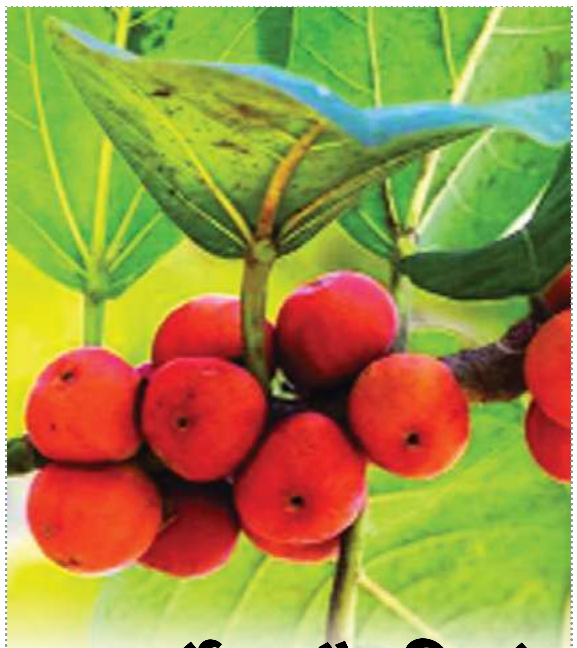

आयुर्वेद औषधियों में होता है बरगद के फल का प्रयोग

बरगद के फल खनिज लवणों, एंटीऑक्सीडेंट और एनाल्जेसिक गुणों से भरपूर होते हैं जो उच्च रक्तचाप से लेकर कोरोनरी हृदय रोग के जोखिम को कम करने में सहायक है। इस पेड़ से मिलने वाले लाभों के बारे में हमें आयुर्वेदिक डॉक्टर ने विस्तार से जानकारी दी है। आज हम आपको इस पेड़ से होने वाले कई फायदों के बारे में बता रहे हैं।

इम्यूनिटी बूस्टर

बरगद का फल फल एक इम्यूनिटी बूस्टर है। इम्यूनिटी बढ़ाने में बरगद का फल काफी फायदेमंद होता है। यह आपको कई बीमारियों से बचाता है और आपको खांसी, जुकाम, फ्लू आदि से भी दूर रखता है। आयुर्वेद में इस पेड़ को वट वृक्ष के नाम से जाना जाता है। बेंगलुरु के जीवोत्तम आयुर्वेद केंद्र के वैद्य डॉ.शरद कुलकर्णी ख्रट्ट (इभफ),(घ्द्मक्र) ने हमसे बातचीत में बताया बरगद के पेड़ से मिलने वाली हर एक चीज का प्रयोग प्राचीन काल से ही कई तरह की औषधि के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि बरगद के फल से लेकर इसकी छाल, पत्ते, दूध और बीजों का भी कई रोगों के उपचार में उपयोग किया जाता है।

बरगद के फल के पोषक तत्व

इसका वानस्पतिक नाम फिकस बेंगालेंसिस है। इस पेड़ के फल में भरपूर मात्रा में कैलोरी, कार्बोहाइड्रेट, शुगर, फाइबर, प्रोटीन, विटामिन बी1, विटामिन बी3 होता है। इसके अलावा इसकी पत्तियों में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम और फास्फोरस पाया जाता है। बरगद में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल करने में फायदेमंद होता है।

दिल के लिए फायदेमंद

बरगद के पेड़ के फल पोटेशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, ओमेगा 3 और 6 से भरपूर होते हैं, जो स्वस्थ दिल के लिए बहुत जरूरी हैं। दिल का दौरा यानी हार्ट अटैक आमतौर पर तब होता है जब मानव शरीर में सोडियम का स्तर बढ़ जाता है जिसके टलते शरीर की धमनियां काम करना बंद कर देती हैं। सोडियम का हाई लेवल धमनियों को श्रिंक यानी संकुचित करता है और पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन की स्पीड को धीमा कर देता है। डॉ. के अनुसार, बरगद के फल में मौजूद पोटैशियम सोडियम के स्तर को कम करने में कारगर होता है। इसमें कई ऐसे तत्व होते हैं जो रक्तचाप को कम करते हैं और कोरोनरी हृदय रोग को रोकने के लिए उपयोगी होते हैं।

मधुमेह में लाभदायक

डॉ.ने बताया कि अगर डायबिटीज के रोगी हर रोज बरगद के फल के चूर्ण का सेवन करें तो उन्हें इसके जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। मधुमेह के मरीज चाहें तो बाजार से इसका पाउडर ले सकते हैं या फिर घर पर इसका उबला हुआ पानी पी सकते हैं।

पेट के रोग को दूर करता है

अगर आप डायरिया और पेचिश से परेशान हैं तो बरगद के पत्तों की कलियां बहुत फायदेमंद होती हैं। आयुर्वेद में इसका उपयोग पुराने दस्त और पेचिश के इलाज के लिए किया जाता है।

इन समस्याओं से भी दिलाता राहत

आयुर्वेद में स्किन डिसीज यानी चर्म रोगों के इलाज के लिए भी बरगद के पेड़ की छाल और पत्तों का प्रयोग किया जाता है। जोड़ों के दर्द को भी कम करने में बरगद के पत्तों का पानी मदद कर सकता है। इसके लिए आपको इसके पाउडर को गर्म पानी में मिलाना है और फिर उस पानी में पैर डालने हैं, इससे आपका दर्द कम हो जाएगा।

मुख्य सचिव ने सरकार के बड़े लक्ष्य तय किए 2025-26 के लिए सभी विभागों को दिए सख्त निर्देश

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार की आगामी योजनाओं और विकास लक्ष्यों को लेकर मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मंत्रालय में राज्य की अब तक की सबसे बड़ी समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और विभागाध्यक्ष शामिल हुए। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2024-25 की समीक्षा की गई और आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नए लक्ष्य तय किए गए। मुख्य सचिव ने साफ निर्देश दिए कि विकास योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर तय समय में पूरा किया जाए और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्राथमिकताओं को तेजी से लागू किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी भी विभाग की लापरवाही सामने आई, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विजन @2047 – मध्य प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने की योजना

मुख्य सचिव ने बैठक के दौरान विजन @2047 पर खास जोर दिया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश को 2047 तक देश के सबसे विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करना है और इसके लिए अभी से ठोस कदम उठाने होंगे। इसके तहत बड़ी बुनियादी परियोजनाओं की समीक्षा– सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, और स्वास्थ्य से जुड़े प्रमुख प्रोजेक्ट्स की स्थिति पर चर्चा हुई। औद्योगिक और निवेश योजनाओं पर फोकस– राज्य में नए उद्योगों और निवेश को बढ़ावा देने की रणनीति पर चर्चा की गई। गरीबी उन्मूलन और रोजगार पर जोर– युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार दिलाने के लिए विशेष योजनाओं को लागू करने के निर्देश दिए गए। कृषि और ग्रामीण विकास को बढ़ावा– किसानों के लिए नई योजनाओं पर काम करने और कृषि उत्पादन को बढ़ाने पर चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले विषयों पर विशेष निर्देश

गांवों में सड़क और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाना

शहरों में स्वच्छता और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करना

केंद्र सरकार की योजनाओं का सही क्रियान्वयन सुनिश्चित करना

बिजली और पानी की आपूर्ति में सुधार लाना केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं पर कड़ी नजर मुख्य सचिव ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं अनुदानों की मांग को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

केंद्र की योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचे।

सरकारी धन का पूरा उपयोग हो और कोई भी योजना अधूरी न रहे।

नए प्रोजेक्ट्स में देरी को हर हाल में रोका जाए।

जनता से जुड़े मामलों पर सख्ती, सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का जल्द निपटारा होगा

मुख्य सचिव ने सीएम हेल्पलाइन, ई-ऑफिस, सीपी ग्राम, विधानसभा प्रश्न एवं आश्वासन और कैग रिपोर्ट से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि–

जनता की शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान किया जाए।

ई-गवर्नेंस को और प्रभावी बनाया जाए ताकि पारदर्शिता बढ़े।

विभागीय लापरवाही को सख्ती से रोका जाए।

विकास योजनाओं को समय पर पूरा करने के सख्त निर्देश

मुख्य सचिव ने कहा कि 2025-26 के लिए तय किए गए लक्ष्यों को हर हाल में पूरा करना होगा। अगर किसी भी योजना में देरी हुई, तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। हर योजना का साप्ताहिक रिव्यू किया जाएगा और प्रगति की रिपोर्ट सीधे मुख्यमंत्री को भेजी जाएगी। राज्य सरकार की सभी योजनाओं को 'गुड गवर्नेंस' के तहत लागू किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक को राज्य के प्रशासनिक तंत्र के लिए बड़ा टर्निंग पॉइंट माना जा रहा है। राज्य सरकार ने विकास योजनाओं को तेज करने और प्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने का लक्ष्य रखा है।

भोपाल में छात्रों का प्रशासन के खिलाफ हल्लाबोल, कलेक्ट्रेट में दिया धरना, छात्रावास अधीक्षक पर गंभीर आरोप

भोपाल। राजधानी में छात्र आंदोलन तेज हो गया है। छात्रावास में अव्यवस्थाओं और छात्रावास अधीक्षक की मनमानी के खिलाफ छात्रों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है, धमकाया जा रहा है और छात्रावास की बुनियादी सुविधाओं में भारी अनियमितताएं हैं। प्रशासन से इंसाफ की मांग करते हुए छात्रों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

छात्रों की बड़ी शिकायतें, अधीक्षक पर लगाए गंभीर आरोप

छात्रावास में बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी है। शौचालय जर्जर हालत में हैं, लाइब्रेरी में उचित संसाधन नहीं हैं, जिससे पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। भोजन की गुणवत्ता बेहद खराब है। छात्रों ने आरोप लगाया कि भोजन में अनियमितताएं हो रही हैं और प्रशासन इस पर ध्यान नहीं दे रहा। छात्रावास अधीक्षक छात्रों को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। शिकायत करने पर छात्रों को डराया-धमकाया जा रहा है। छात्रों पर राजनीतिक विचारधारा थोपने की कोशिश की जा रही है। अधीक्षक पर आरोप है कि वे एक खास विचारधारा को थोपने और छात्रों में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि उन्होंने कई बार प्रशासन से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अब मजबूर होकर उन्होंने कलेक्ट्रेट के सामने धरना दिया और प्रशासन से तत्काल न्याय की मांग की।

छात्रों का आक्रोश, प्रशासन को दी चेतावनी

अगर प्रशासन निष्पक्ष जांच नहीं करता, तो छात्रावास के अन्य सभी छात्र भी आंदोलन में शामिल होंगे।

धरना प्रदर्शन को और बड़ा किया जाएगा और अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी।

सरकार को छात्रों की परेशानियों पर तुरंत ध्यान देना होगा, वरना प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू होंगे। उनके साथ हो रहे अन्याय को दबाने की कोशिश की जा रही है। प्रशासन से गुहार लगाते हुए उन्होंने कहा कि अगर सही कार्रवाई नहीं हुई, तो पूरे राज्य में इस आंदोलन को फैलाया जाएगा।

अधीक्षक ने खुद को बताया निर्दोष, कहा- आरोप निराधार

अधीक्षक ने कहा कि यह पूरा मामला एक गहरी साजिश का हिस्सा हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है ताकि सच सामने आ सके।

प्रशासन ने कहा- होगी निष्पक्ष जांच, दोषियों पर होगी कार्रवाई।

छात्रों के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन भी हरकत में आ गया है। अधिकारियों ने कहा कि

छात्रावास की सभी शिकायतों की जांच के लिए एक विशेष कमेटी बनाई जाएगी।

अगर छात्रावास अधीक्षक दोषी पाए गए, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

अगर छात्रों के आरोप झूठे पाए गए, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है।

छात्रों का आंदोलन बन सकता है बड़ा मुद्दा

भोपाल में हुआ यह छात्र आंदोलन सिर्फ एक छात्रावास तक सीमित नहीं रह सकता। अगर प्रशासन ने जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो यह मामला प्रदेशभर के छात्र संगठनों का बड़ा मुद्दा बन सकता है। प्रदेश के अन्य छात्रावासों में भी इसी तरह की अव्यवस्थाओं और अनियमितताओं की शिकायतें आती रही हैं। ऐसे में इस आंदोलन का असर पूरे मध्य प्रदेश के छात्र संगठनों पर पड़ सकता है और सरकार के लिए यह एक बड़ा सिरदर्द बन सकता है।

नेता जी की घोर बेइज्जती: शोक जताने पहुंचे जिला पंचायत सदस्य को लोगों ने खदेड़ा

शहडोल। जिले के अमलाई थाना क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन के दौरान जिला पंचायत सदस्य मनमोहन चौधरी की जमकर बेइज्जती हो गई। मृतक के परिजनों से सहानुभूति जताने पहुंचे चौधरी को गुस्साए लोगों ने खदेड़ दिया। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि पुलिस को खुद उन्हें मौके से भगाना पड़ा। घटना बटुरा सोन नदी के पास की है, जहां 63 वर्षीय राम खेलामन वासुदेव का शव संदिग्ध हालात में मिला था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए शव को नदी तट पर रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसी दौरान जिला पंचायत सदस्य मनमोहन चौधरी वहां पहुंचे, लेकिन लोगों का गुस्सा उन पर फूट पड़ा। आक्रोशित भीड़ ने उन्हें धक्का देकर बाहर निकाल दिया। महिलाओं ने भी उनके खिलाफ नाराजगी जताई और धक्का-मुक्की की। माहौल बिगड़ता देख अमलाई थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने पुलिस बल के साथ चौधरी को भीड़ से बचाया और वहां से रवाना किया। चौधरी को खदेड़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

हाईकोर्ट का आदेश: नियम विरूद्ध संचालित समस्त अस्पतालों के विरुद्ध कार्यवाही की पेश करो एक्शन टेकन रिपोर्ट

न्यू लाइफ अस्पताल अग्निकांड की हाई लेवल जांच कमेटी की रिपोर्ट पुलिस को सौंपने के आदेश

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने नियम विरूद्ध संचालित अस्पतालों को चुनौती देने वाली जनहित याचिका में सुनवाई कर महत्वपूर्ण निर्देश दिये हैं, शासन को निर्देशित किया गया है कि शहर में संचालित नियम विरुद्ध अस्पतालों के मामले में अद्यतन एक्शन टेकन रिपोर्ट दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करें।

दरअसल लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल की तरफ से कोरोना काल के समय धड़ल्ले से खोले गये अस्पतालों के मामले में वर्ष 2022 में दायर जनहित याचिका में नियम विरुद्ध तरीके से प्राइवेट अस्पताल संचालन की अनुमति प्रदान किये जाने को चुनौती दी गयी थी। याचिका में कहा गया था कि नियमों को ताक में रखकर, नेशनल बिल्डिंग कोड, फायर सिक्योरिटी के नियम, बिल्डिंग कंप्लीशन सर्टिफिकेट की अनदेखी कर, आगजनी की स्थिति में दमकल वाहन के लिये 6 मीटर खुला क्षेत्र सहित पार्किंग स्पेस की उपलब्धता देखे बग़ैर अनेकों अस्पतालों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियम विरूद्ध लाइसेंस जारी किए गए।

याचिका के लंबित रहने के दौरान ही अगस्त 2022 में जबलपुर के न्यू लाइफ अस्पताल में हुए अग्नि हादसे में 8 व्यक्तियों की दर्दनाक मौत हो गयी, आपातकालीन द्वार नहीं होने के कारण लोग बाहर तक नहीं निकल पाए। जिसके बाद मामले में हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई थी जिसके चलते अनेकों अस्पतालों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। सरकार की ओर से गुरुवार की सुनवाई के दौरान कोर्ट में दस्तावेज पेश कर बताया गया कि अस्पतालों पर सख्त कार्यवाही जारी है जिसके चलते विगत दिनों कोठारी अस्पताल तथा एप्पल अस्पताल के पंजीयन निरस्त किए गए हैं, हाईकोर्ट ने मामले में शहर में संचालित सभी नियम विरूद्ध अस्पतालों की अद्यतन एक्शन टेकन रिपोर्ट दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं।

अग्निकांड के दोषियों को नहीं बनाया आरोपी, अब पुलिस को सौंपी जाएगी हाई लेवल कमेटी की जाँच रिपोर्ट –

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता द्वारा कोर्ट को बताया गया कि अग्निकांड वाले न्यू लाइफ मल्टीस्पेशीलिटी अस्पताल को पंजीयन जारी करने के पूर्व भौतिक निरीक्षण कर अनुसंशा करने वाले चिकित्सक डॉ एल.एन.पटेल और डॉ. निशेष चौधरी को आज तक पुलिस जाँच में आरोपी नहीं बनाया गया, जबकि अगर ये अधिकारी अस्पताल को पंजीयन जारी करते समय मौके की सही निरीक्षण रिपोर्ट पेश करते तो इतने लोग बेमौत नहीं मारे जाते। याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिये गये कि राज्य शासन द्वारा संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में जो जाँच कमेटी गठित की गई थी उसमें भी इन व्यक्तियों को दोषी पाया पाया गया है लेकिन वह रिपोर्ट पुलिस को नहीं दी जा रही है जिससे दोषियों को आरोपी नहीं बनाया जा रहा है, मामले में हाईकोर्ट ने शासन को निर्देश दिये है कि कमेटी की जाँच रिपोर्ट पुलिस को तत्काल सौंपी जावे, तत्पश्चात् पुलिस को सरकारी जिम्मेदारों को भी मामले में आरोपी बनाना होगा।

कन्याओं को पूजिये भी, आत्मसुरक्षा भी सिखाइए...

समय के साथ-साथ समाज की प्राथमिकताएं भी बदलीं। नहीं बदला तो महिलाओं और युवतियों के शोषण का सिलसिला। भारतीय समाज में फैली दहेज की कुप्रथा के कारण गर्भ में ही बालिका भ्रूण मारे जाने लगे। परिवार में ही आसपास ने नाते, रिश्तेदारों और अन्यों द्वारा छुटपन से बेटियों के साथ छेड़छाड़, यौन शोषण चलता रहा। देश में चेतना आई, शिक्षा का स्तर बढ़ा पर महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध कम नहीं हुए। हाल ही में राष्ट्रीय महिला आयोग ने सूचित किया कि वर्ष 2021 के प्रारंभिक आठ महीनों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की शिकायतों में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हम अपने परिवार की बेटी को ऐसे संस्कार और शिक्षा दें। उसे आत्मनिर्भर बनाएं, आत्मसुरक्षा सिखाएं, ज्यादतियों के खिलाफ उसे आवाज उठाना भी सिखाएं ताकि समाज की कन्या और समाज बेटी की खबर अखबार की सुर्खी न बने। उसके साथ ज्यादती करने का कोई हौसला न कर सके। हाल में अच्छा यह हुआ है कि केंद्र ने इस तरह की घटनाओं के लिए पास्को एक्ट बनाया। इसमें त्वरित न्याय दिलाने की भी व्यवस्था की है, ताकि अपराधी अपराध करता डरे। जरूरत है कि पास्को एक्ट के तहत हुए निर्णयों का प्रचार-प्रसार व्यापक स्तर से किया जाए ताकि अपराधी में भय पैदा हो।

अशोक मधुप

नवरात्र में अधिकांश हिंदू परिवार घर में मां के कलश की स्थापना करते हैं। इन नौ दिन उपवास रखकर देवी के विभिन्न रूपों की पूजा की जाती है। देवी स्परुपा कन्याओं को पूजा जाता है। उन्हें जिमाया जाता है। वस्त्रादि भेंट किए जाते हैं। ये परंपरा सदियों से चली आ रही है। सदियों से चली आ रही इस परम्परा में वक्त के हिसाब से अब सुधार की जरूरत है। आज जरूरत है कि हम कन्याओं को पूजे और जिमाएं ही नहीं। उन्हें शिक्षित भी करें। उन्हें आज के समय और परिस्थिति में जीने के अनुकूल बनाए। आत्मसुरक्षा भी सिखाए। उन्हें गुड टच और बेड टच से अवगत भी कराएं। कन्याओं को आज के समाज में शान और सम्मान के साथ जीने के योग्य बनाएं। ज्यादती के खिलाफ बोलना भी बताएं। ज्यादती का मुकाबला भी करना सिखाएं।

नवरात्र देश भर में अलग-अलग रूप में मनाए जाते हैं। पूजा अर्चन की जाती है। सबका तात्पर्य यह ही है कि देवी शक्ति की पूजा कर हम उनसे अपने और समाज के कल्याण का आशीर्वाद मांगे। स्वस्थ समाज की मांग करें। ये सब कुछ सदियों से चला आ रहा है। आज समय की मांग है कि हम आगे बढ़े। वक्त की जरूरत के साथ परिवर्तन करें।

आज देश की देवियां, महिलाएं, मातृशक्ति विकास के हर क्षेत्र में अपना योगदान कर रही हैं। कार तो बहुत समय से चलाती रही हैं। अब ये आटो, ट्रक, ट्रेन, मालगाड़ी भी चलाने लगीं हैं। ये प्लेन उड़ा रही हैं। अब तो सेना में जाकर बार्डर की हिफाजत भी महिलाएं कर रही हैं। आधुनिकतम लड़ाकू विमान भी उड़ा रहीं हैं। उन्हें नियंत्रित भी कर रही हैं।

कभी गाना, बजना, नाचना महिलाओं की कला मानी जाती थी। उसमें उन्हें पारंगत करने के साथ-साथ पुराने समय से परिवार की बेटियों को सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, अनाज पिसाई, छनाई के साथ घर के कामकाज भोजन बनाने में आदि में निपुण किया जाता था। ताकि वह समय की जरूरत के हिसाब के शादी के बाद अपने परिवार को संभाल सकें। इस समय शिक्षा पर उतना जोर नही था। परिवार की जरूरतें बढ़ी तो पढ़ी -लिखी महिलाएं घर की चाहरदीवारी से निकलीं। नौकरी करने लगीं। बिजनेस में परिवार को सहयोग देने लगीं। समय बदला। महिलाएं आज शिक्षित हो सभी क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। नौकरी के लिए अकेली युवती का विदेश जाना अब आम हो गया। पैरा मिलेट्री फोर्सेज में योगदान करने के साथ आज वह सेना में आकर देश सीमाओं को सुरक्षित बनाने और शत्रु से लोहा लेने में भी लगी हैं।

समय के साथ-साथ समाज की प्राथमिकताएं भी बदलीं। नहीं बदला तो महिलाओं और युवतियों के शोषण का सिलसिला। भारतीय समाज में फैली दहेज की कुप्रथा के कारण गर्भ में ही बालिका भ्रूण मारे जाने लगे। परिवार में ही आसपास ने नाते, रिश्तेदारों और अन्यों द्वारा छुटपन से बेटियों के साथ छेड़छाड़, यौन शोषण चलता रहा। देश में चेतना आई, शिक्षा का स्तर बढ़ा पर महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध कम नहीं हुए। हाल ही में राष्ट्रीय महिला आयोग ने सूचित किया कि वर्ष 2021 के प्रारंभिक आठ महीनों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की शिकायतों में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

राष्ट्रीय महिला आयोग को साल 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराध की करीब 31,000 शिकायतें मिलीं थी जो 2014 के बाद सबसे ज्यादा हैं। इनमें से आधे से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश के थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध की शिकायतों में 2020 की तुलना में 2021 में 30 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। साल 2020 में कुल 23,722 शिकायतें महिला आयोग को मिली थीं। राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 30,864 शिकायतों में से, अधिकतम 11,013 सम्मान के साथ जीने के अधिकार से संबंधित थीं। घरेलू हिंसा से संबंधित 6,633 और दहेज उत्पीड़न से संबंधित 4,589 शिकायतें थीं। सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की सबसे अधिक 15,828 शिकायतें दर्ज की गईं, इसके बाद दिल्ली में 3,336, महाराष्ट्र में 1,504, हरियाणा में 1,460 और बिहार में 1,456 शिकायतें दर्ज की गईं। आयोग के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं के शील भंग या छेड़छाड़ के अपराध के संबंध में 1,819 शिकायतें मिली हैं। बलात्कार और बलात्कार की कोशिश 1,675 शिकायतें, महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता की 1,537 और साइबर अपराधों की 858 शिकायतें मिली हैं। ये वे शिकायत हैं जो रजिस्टर होती हैं1 इससे कई गुनी शिकायत तो दर्ज ही नही होती। परिवार का सम्मान बताकर, युवती की स्मिता की बातकर घटनांए दबाली जाती हैं।

अब तक बच्चियों को गाने-बचाना, डांस करने के वीडियो सामने आते थे। हाल ही में एक वीडियो सामने आया जिसमें एक पिता अपनी बेटी को लाठी चलाना सिखा रहा है। इस छोटे से वीडियों को बहुत पसंद किया गया। आज समय की मांग है कि परिवार विशेषकर मां बेटी को बचपन से गुड टच और बैड टच से अवगत कराए। इनका अंतर बताए। कहीं कुछ घर के आसपास, स्कूल में, स्कूल बस में अगर ऐसा होता है तो वह घर आकर बताए। बेटी अब घर की देहरी के अंदर तक ही सीमित नही रह गई है। वह कार्य के लिए घर से बाहर निकल रही है। ट्रेन में, बस में अकेले सफर कर रही है। नौकरी के लिए सात समुंद पार जा रही है। ऐसे में जरूरत है उसे आत्मसुरक्षा की जानकारी देने की। जूडे-कराटे सिखाने की। आत्मसुरक्षा में निपुण करने की, ताकि वह विपरीत परिस्थिति में अपना बचाव कर सके। अगर ऐसा होगा तो छेड़छाड़ करने वाले के भय से युवती को आत्महत्या नही करनी पड़ेगी। जबकि आज इस तरह की रोज अखबारों में खबर आ रही हैं। पिछले दिनों मुरादाबाद में से 12वीं में पढ़ने वाली छात्रा ने छेड़छाड़ से परेशान होकर कीटनाशक खा कर आत्महत्याकर ली। मुंबई के विनोबा भावे नगर चचेरे भाई के बार-बार यौन उत्पीड़न से तंग आकर 15 वर्षीय किशोरी ने आत्महत्या कर ली। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जनपद में मनचले की छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने अपने ही घर में फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। इस तरह की खबर रोज अखबारों में सुर्खियां बन रही हैं। हम अपने परिवार की बेटी को ऐसे संस्कार और शिक्षा दें। उसे आत्मनिर्भर बनाएं, आत्मसुरक्षा सिखाएं, ज्यादतियों के खिलाफ उसे आवाज उठाना भी सिखाएं ताकि समाज की कन्या और समाज बेटी की खबर अखबार की सुर्खी न बने। उसके साथ ज्यादती करने का कोई हौसला न कर सके। हाल में अच्छा यह हुआ है कि केंद्र ने इस तरह की घटनाओं के लिए पास्को एक्ट बनाया। इसमें त्वरित न्याय दिलाने की भी व्यवस्था की है, ताकि अपराधी अपराध करता डरे। जरूरत है कि पास्को एक्ट के तहत हुए निर्णयों का प्रचार-प्रसार व्यापक स्तर से किया जाए ताकि अपराधी में भय पैदा हो।

पुस्तक मेले को लेकर बच्चों, उनके अभिभावकों एवं पालकों में देखा गया उत्साह

संदीप वाईकर

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आज पुस्तक मेले का तीसरा दिन था । इस मेले में अधिक संख्या में बच्चों के पेरेंट्स तथा स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थी पुस्तकें , बैग, कॉपियां एवं अन्य सामग्री खरीदने के लिए आए । दुकानदारों के द्वारा पुस्तकें एवं स्टेशनरी सामग्री पर अधिक छूट जा रही है । पुस्तक मेले में दिन भर बच्चों के अभिभावक स्टेशनरी एवं पुस्तकों को खरीदने के लिए आते रहे ।

सुबह 10:00 से मेला प्रारंभ हुआ मेला और शाम तक भी जारी रहा। स्थानीय प्रशासन तथा स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से इस पुस्तक मेले का आयोजन बच्चों के पेरेंट्स पर पुस्तकों का एवं शैक्षणिक सामग्री का बोझ कम से कम रहे, इस प्रकार का प्रयास यह किया गया है आमला ब्लाक के प्राइवेट स्कूल के प्राचार्य तथा प्रधान पाठक उनके स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को तथा उनके पालकों को मेले से पुस्तक एवं अन्य सामग्री खरीदने के लिए भेज रहे हैं यह पुस्तक मेला सभी अभिभावकों की सुविधा के लिए नगर में आयोजित किया जा रहा है। यह एक अनूठी पहल है। दुकानदारों से पुस्तकें तथा अन्य सामग्री रियायती दरों पर बच्चों के पालकों को उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन की ओर से इस पुस्तक मेले का आयोजन किया गया है अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री शैलेंद्र बडोनिया जी इस पुस्तक मेले को शुक्रवार एवं शनिवार को भी आयोजित करने के निर्देश दिए । एसडीएम श्री बडोनिया ने सभी विद्यार्थियों एवं उनके पैरेंट्स से इस मेले का लाभ उठाने की की अपील की हैं।